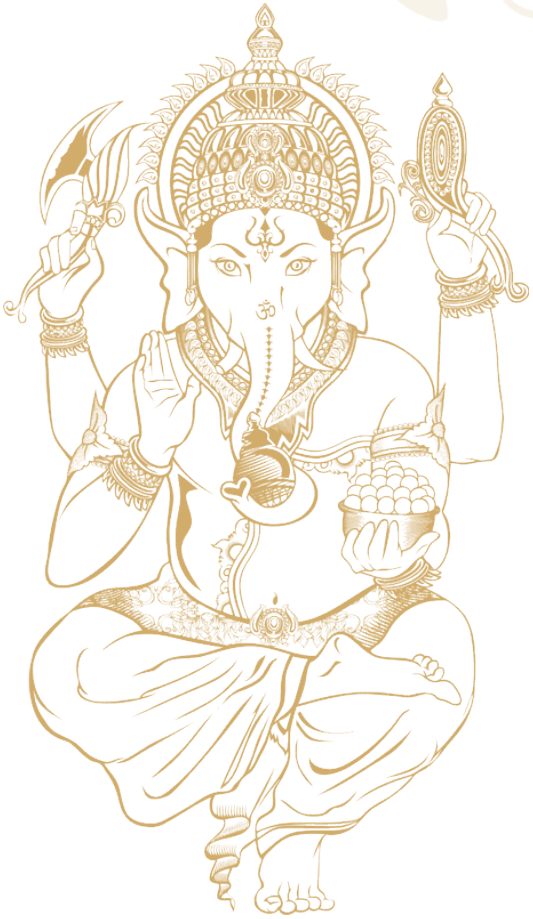

Mr tarsim Sharma

20 Jan 1986

04:08 PM

Akhnur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121701108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/01/1986**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:08:00 घंटे**
इष्ट	21:27:47 घटी
स्थान	**Akhnur**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:54:00 उत्तर
रेखांश	74:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:36:56 घंटे
वेलान्तर	-00:10:58 घंटे
साम्पातिक काल	23:35:00 घंटे
सूर्योदय	07:32:53 घंटे
सूर्यास्त	17:51:27 घंटे
दिनमान	10:18:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:25:09 मकर
लग्न के अंश	15:20:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:20:28	316:45:45	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मक	06:25:09	01:01:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	03:36:06	11:48:12	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	28:41:47	00:36:01	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	धनु	28:52:47	01:36:25	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु			मक	28:55:39	00:13:51	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र		अ	मक	06:36:15	01:15:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	13:22:08	00:05:11	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	11:39:21	00:02:32	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	11:39:21	00:02:32	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	26:54:13	00:03:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	10:38:15	00:02:06	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:35:19	00:00:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	29:31:49	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:35

लग्न-चलित

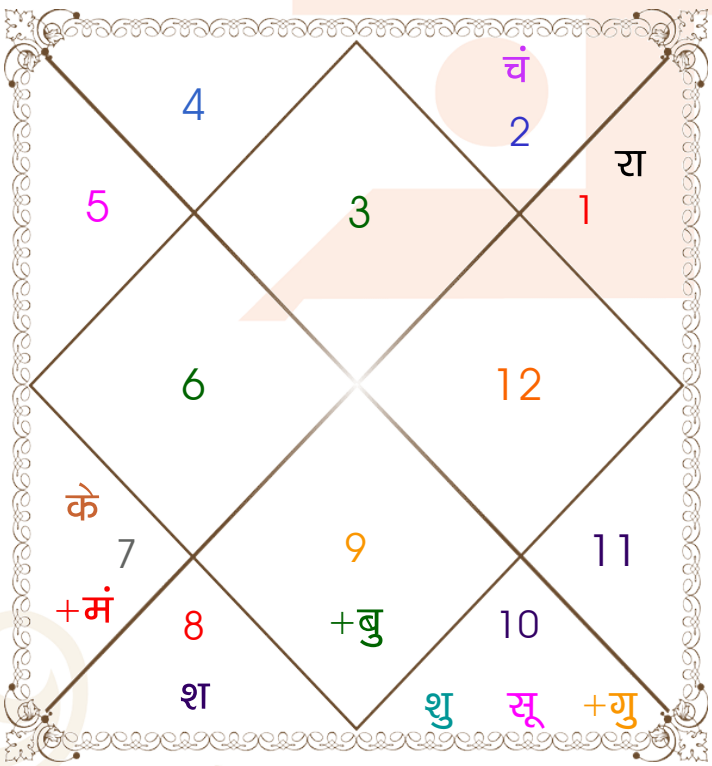

चन्द्र कुंडली

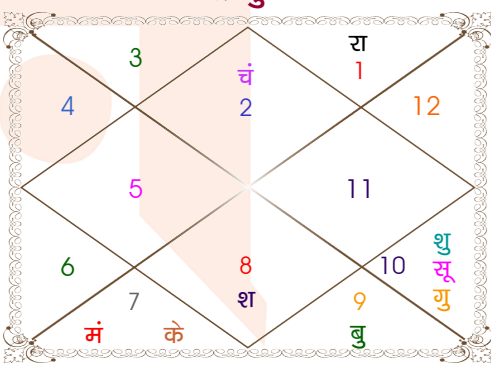

नवमांश कुंडली

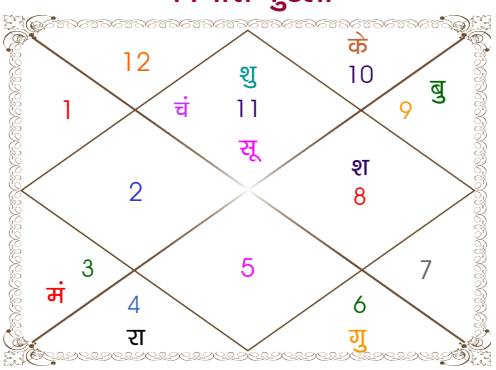

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 10 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/01/1986		07/12/1988		07/12/1998		07/12/2005		08/12/2023	
07/12/1988		07/12/1998		07/12/2005		08/12/2023		08/12/2039	
	00/00/0000	चंद्र	07/10/1989	मंगल	05/05/1999	राहु	19/08/2008	गुरु	25/01/2026
	00/00/0000	मंगल	08/05/1990	राहु	23/05/2000	गुरु	13/01/2011	शनि	07/08/2028
	00/00/0000	राहु	07/11/1991	गुरु	29/04/2001	शनि	19/11/2013	बुध	13/11/2030
	00/00/0000	गुरु	08/03/1993	शनि	08/06/2002	बुध	07/06/2016	केतु	20/10/2031
	20/01/1986	शनि	07/10/1994	बुध	05/06/2003	केतु	26/06/2017	शुक्र	20/06/2034
शनि	25/09/1986	बुध	08/03/1996	केतु	01/11/2003	शुक्र	25/06/2020	सूर्य	08/04/2035
बुध	02/08/1987	केतु	07/10/1996	शुक्र	31/12/2004	सूर्य	20/05/2021	चंद्र	07/08/2036
केतु	08/12/1987	शुक्र	08/06/1998	सूर्य	08/05/2005	चंद्र	19/11/2022	मंगल	14/07/2037
शुक्र	07/12/1988	सूर्य	07/12/1998	चंद्र	07/12/2005	मंगल	08/12/2023	राहु	08/12/2039

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/12/2039		07/12/2058		08/12/2075		07/12/2082		08/12/2102	
07/12/2058		08/12/2075		07/12/2082		08/12/2102		00/00/0000	
शनि	10/12/2042	बुध	05/05/2061	केतु	05/05/2076	शुक्र	08/04/2086	सूर्य	28/03/2103
बुध	19/08/2045	केतु	02/05/2062	शुक्र	05/07/2077	सूर्य	08/04/2087	चंद्र	27/09/2103
केतु	28/09/2046	शुक्र	02/03/2065	सूर्य	10/11/2077	चंद्र	07/12/2088	मंगल	01/02/2104
शुक्र	28/11/2049	सूर्य	06/01/2066	चंद्र	11/06/2078	मंगल	06/02/2090	राहु	26/12/2104
सूर्य	10/11/2050	चंद्र	08/06/2067	मंगल	07/11/2078	राहु	06/02/2093	गुरु	14/10/2105
चंद्र	10/06/2052	मंगल	04/06/2068	राहु	25/11/2079	गुरु	08/10/2095	शनि	21/01/2106
मंगल	20/07/2053	राहु	23/12/2070	गुरु	31/10/2080	शनि	07/12/2098		00/00/0000
राहु	26/05/2056	गुरु	29/03/2073	शनि	10/12/2081	बुध	08/10/2101		00/00/0000
गुरु	07/12/2058	शनि	08/12/2075	बुध	07/12/2082	केतु	08/12/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।